प्रस्तावित वक्तागण

श्री दत्तात्रय होसबोले, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, पटना (बिहार)

श्री राजेन्द्र सिंह, प्रसिद्ध भारतीय पर्यावरण कार्यकर्ता, रेमन मैगसेसे पुरस्कार 2011 से सम्मानित

श्री दीपक विसफुते, सामाजिक कार्यकर्ता, रायपुर (छ.ग.)

प्रो. एल.पी. चौरसिया, भू-विज्ञान विभाग, हरि सिंह गौर वि.वि., सागर (म.प्र.)

डॉ. एस.के. पटनायक, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विभाग, संबलपुर वि.वि., संबलपुर

श्री दीपक कुमार मैती, भू-वैज्ञानिक, मिदनापुर

डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सहा.प्राध्यापक, भू-विज्ञान विभाग, शा. व्ही.वाय.टी. महा. दुर्ग

श्री कुण्डलेश्वर पाणीग्राही, भू-जल संग्रहण विशेषज्ञ, एन.जी.ओ, रायपुर (छ.ग.)

डॉ. ए.एम. पोफरे, प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष-भू-विज्ञान विभाग, आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर (महाराष्ट्र)

डॉ. डी.पी. क्यूटी, यू.जी.सी. विजिटिंग प्रोफेसर

श्रीमती फूलबासन यादव, पद्मश्री, मिनीमाता अलंकरण से विभूषित

श्री निनाद बोधनकर, SOS in Geology, Pt.R.S.U., Raipur (C.G.)

श्री गौतम बंधोपाध्याय

आयोजन समिति के सदस्य

डॉ. बी. एल. गोयल	डॉ. बीना सिंह	डॉ. अनिता सिंह
डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति	डॉ. प्रकृति जेम्स	डॉ. रुचि त्रिपाठी
डॉ. प्रीति रानी मिश्रा	श्री रेशमलाल प्रधान	श्री संजीव लवानियॉ
डॉ. एस.रुपेन्द्र राव	डॉ. पुष्कर दुबे	डॉ. गौरी शर्मा
प्रो. श्रिया साहू	डॉ. गुंजन पाटिल	डॉ. ए.के. श्रीवास्तव

पंजीयन एवं अन्य विवरण हेतु संपर्क-सूत्र

डॉ.अनिता सिंह
सहा. प्राध्यापक
Mob. : 98271-18808
e-mail : 31anitasingh@gmail.com

श्री रेशमलाल प्रधान
सहा. प्राध्यापक
Mob. : 70243-83191
e-mail : reshamlalpradhan6602@gmail.com

डॉ. एच.एस.होता
सह-प्राध्यापक
Mob. : 94252-22658
e-mail : proffhota@gmail.com

डॉ. के.के. चंद्रा
सह-प्राध्यापक
Mob. : 94790-67324
e-mail : kkckvk@gmail.com

डॉ. मनीष उपाध्याय
प्राध्यापक
Mob. : 7999646657
e-mail : man_bsp@rediffmail.com

मुख्य संरक्षक

डॉ. बंश गोपाल सिंह, कुलपति
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. अंजिला गुप्ता, कुलपति
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. गौरी दत्त शर्मा, कुलपति
बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रो. रवि प्रकाश दुबे, कुलपति
डॉ. सी.व्ही. रमन् विश्वविद्यालय,कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

संरक्षक

डॉ. राजकुमार सचदेव, कुलसचिव
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. बी.एन. तिवारी, कुलसचिव
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. इंदु अनंत, कुलसचिव
बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

श्री गौरव शुक्ला, कुलसचिव
डॉ. सी.व्ही. रमन् विश्वविद्यालय,कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

संयोजकगण

डॉ. अनिता सिंह, सहायक प्राध्यापक
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

श्री रेशमलाल प्रधान, सहायक प्राध्यापक
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. के.के. चन्द्रा, सह-प्राध्यापक
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. एच.एस. होता, सह-प्राध्यापक
बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. मनीष उपाध्याय, प्राध्यापक
डॉ. सी.व्ही. रमन् विश्वविद्यालय,कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

(29-30 मार्च, 2018)

विषय

जल संरक्षण : समय की माँग

आयोजक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. सी.व्ही. रमन् विश्वविद्यालय,कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

आयोजन स्थल

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
कोनी-बिरकोना मार्ग, ग्राम - बिरकोना, जिला - बिलासपुर (छ.ग.)
पिन कोड - 495009

www.pssou.ac.in

बिलासपुर के विश्वविद्यालय

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की स्थापना छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम क्र. 26 / 2004 द्वारा की गई है। इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य है। बेहतर शिक्षा के उद्देश्य हेतु छः क्षेत्रीय केंद्र एवं 179 अध्ययन केंद्र संचालित है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) की स्थापना 16 जून 1983 को हुई थी एवं 15 जन. 2009 को केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रुप में दर्जा दिया गया है। बेहतर शिक्षा हेतु तकनीकी एवं उच्च स्तर की शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) की स्थापना 2 मार्च 2012 को हुई है। इस विश्वविद्यालय में 5 जिलों में 176 महाविद्यालयों में बेहतर शिक्षा हेतु विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन होता है।

डॉ सी.व्ही. रमन् विश्वविद्यालय, कोटा,बिलासपुर (छ.ग.) की स्थापना 03 नवंबर 2006 में हुई है। विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा एवं विभिन्न प्रकार की पाठ्यक्रम के बेहतर शिक्षा उपलब्ध है।

संगोष्ठी के विषय में

वर्तमान में जल संकट भारत के लिए एक बहुत बड़ी समस्या है। इन दिनों जल-संरक्षण शोधकर्ताओं के लिए मुख्य विषय बना हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य भी इससे अछूता नहीं है। आधारभूत पंचतत्त्वों में से जल हमारे जीवन का आधार एवं संपूर्ण जीव-जगत् का आधार है। जल के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। जल ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसकी महत्ता इसी से परिलक्षित होती है कि बड़ी सभ्यताएँ एवं प्राचीन नगर नदियों के तट पर ही विकसित हुए है। यद्यपि पृथ्वी के 70 प्रतिशत क्षेत्र में जल है, उसमें से केवल 2.5 प्रतिशत ही पीने योग्य मीठे जल के स्त्रोत है। इसी मीठे जल स्त्रोतों पर पूरे विश्व पटल का जीवन निर्भर करता है, जो पूरे विश्व में सभी समुदायों के बीच विभाजित एवं फैला हुआ है। दुनिया के जल-निकायों में अधिकांशतः प्रदूषित है, भू-मण्डल में उपयोग करने योग्य ताजे जल का लगभग 97 प्रतिशत भू-जल के रूप में संग्रहित किया जाता है। आने वाले समय में पीने-योग्य जल की कमी सबसे महत्त्वपूर्ण संकट के रूप में उभर रही है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सभी विकसित एवं विकासशील देश तेजी से बढ़ती शहरीकरण की समस्या से जुझ रहे है, जिनके परिणामस्वरुप दो तरह की समस्याएँ जन्म ले रही है -

(1) जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन (2) जल-संसाधनों का प्रदूषण

वहीं दूसरी ओर दिन-प्रतिदिन जल की आवश्यकता भी बढ़ती जा रही है। शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण के अनियंत्रित तरीके से विकसित होने के कारण तथा ग्रामीणों के शहर की ओर पलायन करने से शहर की जनसंख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे जल-संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है एवं प्रतिव्यक्ति जल-संसाधनों की उपलब्धता में दिन-प्रतिदिन कमी आ रही है।

जलवायु परिवर्तन के कारण संपूर्ण देश बाढ़ और सूखे की समस्या से ग्रसित है। भू-जल के अत्यधिक दोहन के कारण नदियों के प्रवाह में कमी तथा जल-संसाधनों के स्तर में कमी हो रही है। नहरों से अत्यधिक सिंचाई के कारण जल-ग्रसनता एवं लवणता की समस्या पैदा हो चुकी है। जल की उपादेयता को ध्यान में रखकर यह अत्यंत आवश्यक है कि हम न सिर्फ जल का सरंक्षण करे बल्कि उसे प्रदूषित होने से बचाएँ।

दो दिवसीय राष्ट्रीय-संगोष्ठी से जल की उपयोगिता, संरक्षण और रि-साईक्लिंग के संबंध में पर्याप्त ज्ञान और जागरुकता का विश्वास है।

संगोष्ठी की विषयवस्तु

1. जल-संरक्षण (Water Conservation)
2. जल-सुरक्षा एवं सरकार की योजनाएँ (Water Security and Government Planning)
3. जल-चक्रीयकरण एवं पुनःउपयोग (Water re-cycling and re-use)
4. जल गुणवत्ता एवं शोधन (Water Quality and treatments)
5. आदर्श शहर एवं ग्रामों हेतु एकीकृत जल संग्रहण तकनीक (Integrated Water Harvesting technologies for Smart city and Model village)
6. वाटर सेड द्वारा भू-जल प्रबंधन (Watershed and ground water management)
7. जल एवं ग्लोबल वार्मिंग (Water and Globel warming)

शोध-आलेख सारांश एवं प्रादर्श हेतु आमंत्रण

इच्छुक प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे अपना शोध-आलेख सारांश (Abstract) अधिकतम 300 शब्दों में दिनाँक 18 मार्च, 2018 तक wcnationalseminar@gmail.com पर भेजें।

शोध-आलेख सारांश निम्नानुसार फॉन्ट में भेजें -

हिंदी हेतु	कृतिदेव 11	(Font Size-14)
अँग्रेज़ी हेतु	Times New Roman	(Font Size-12)

- शोध-आलेख सारांश उपरोक्त फॉन्ट के अलावा अन्य फॉन्ट में स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
- शोध-आलेख सारांश भेजने की अंतिम तिथि : 18 मार्च, 2018
- स्थल पंजीयन कराने पर प्रतिभागी को केवल प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।
- विद्यार्थियों के द्वारा संगोष्ठी की विषयवस्तु से संबंधित प्रादर्श (Model) आमंत्रित किए जाते है। प्रादर्श की पंजीयन हेतु दिनांक 20 मार्च, 2018 तक विश्वविद्यालय मुख्यालय में संपर्क करें। तीन सर्वश्रेष्ठ प्रादर्श को पुरस्कृत किया जाएगा।

बिलासपुर आगमन

बिलासपुर आगमन : बिलासपुर ट्रेन मार्ग से देश के सभी शहरों से जुड़ा है। यह हावड़ा-मुम्बई मुख्य मार्ग पर स्थित है। हवाई मार्ग हेतु नजदीक एयरपोर्ट रायपुर 130 किलोमीटर दूर है।

टी.ए. / डी.ए. एवं आवास व्यवस्था : प्रतिभागी अपनी यात्रा व्यय की व्यवस्था अपनी संस्थानों से करेंगे तथापि राष्ट्रीय संगोष्ठी में उनके भोजन एवं यातायात की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जायेगी। आवास व्यवस्था हेतु प्रतिभागियों को पूर्व में सूचित करना होगा जिससे कि उनके लिए सशुल्क आवास व्यवस्था सुनिश्चित हो सके, अन्यथा आवास व्यवस्था उन्हें स्वयं करनी होगी।

पंजीयन

पंजीयन शुल्क :

क्र.	पंजीयन शुल्क का विवरण	18 मार्च तक	स्थल पंजीयन
1	प्राध्यापक गण / अन्य	600 / -	800 / -
2	विद्यार्थी / शोधार्थी	400 / -	600 / -

1. पंजीयन शुल्क का ड्राफ्ट : Organizer Water Conservation PSSOU Bilaspur के पक्ष में बिलासपुर में देय हो, बनवायें।
2. पंजीयन शुल्क नगद जमा करने की सुविधा आयोजक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों पर 18 मार्च, 2018 तक उपलब्ध रहेगी।
3. स्थल पंजीयन शुल्क नगद जमा करने की सुविधा विश्वविद्यालय में आयोजन स्थल पर 29 मार्च, 2018 को उपलब्ध रहेगी।
4. ऑनलाइन एवं चालान द्वारा शुल्क जमा करने हेतु बैंक ऑफ बडौदा खाता क्र. 58100100000654 (IFSC Code: BARB0BIRKON MICR - 495012006) में जमा कर सकते है। zero

पंजीयन-प्रपत्र

नाम : .डॉ. / प्रो. / श्री / श्रीमती .....

पदनाम : .....लिंग : .....

संस्था का नाम : .....

पता : .....

.....

.....

दूरभाष क्र : ..... मोबाइल : .....

ई-मेल : .....

शोध-पत्र का शीर्षक : .....

क्या आपको आवास की आवश्यकता है ? हाँ / नहीं : .....

भुगतान की कुल राशि (रु.में) : .....

भुगतान का माध्यम (नगद / डिमांड ड्राफ्ट / चालान).....

रसीद क्र. ..... ड्राफ्ट क्र. ..... चालान क्र. .....

बैंक का नाम : ..... दिनांक : .....

हस्ताक्षर .....

भरा हुआ पंजीयन प्रपत्र सशुल्क पंजीयनकर्ता के पास जमा करायें। यदि आवश्यक हो तो पंजीयन फॉर्म की छायाप्रति का उपयोग पंजीयन हेतु किया जा सकता है। प्रतिभागीगण संगोष्ठी में पंजीयन के लिए पंजीयन प्रपत्र एवं चालान प्रारुप वेबसाइट www.pssou.ac.in से भी डाउनलोड कर सकते हैं।